Date – 24 May 2022

रेस्पिरेटरी सिंकाइटियल वायरस (RSV)

- हाल ही के एक अध्ययन में पाया गया है कि पांच साल से कम उम्र के बच्चों में रेस्पिरेटरी सिंकाइटियल वायरस (आरएसवी) के कारण होने वाले कम श्वसन संक्रमण अधिक आम हैं।
- लैंसेट द्वारा प्रकाशित रिपोर्ट के अनुसार, यह वर्ष 2019 के दौरान दुनिया में 100,000 बच्चों की मौत के लिए जिम्मेदार है।

रेस्पिरेटरी सिंकाइटियल वायरस (RSV) के बारे में:

- RSV एक सामान्य श्वसन विषाणु है।
- यह प्रकृति में अत्यधिक संक्रामक है, जिसका अर्थ है कि इसमें लोगों को संक्रमित करने की उच्च क्षमता है।
- इससे फेफड़ों में संक्रमण का खतरा बढ़ गया है।
- यह आमतौर पर 2 से 6 साल से कम उम्र के बच्चों को संक्रमित करता है।
- ज्यादातर मामलों में यह सामान्य सर्दी के समान लक्षण दिखाता है लेकिन चरम मामलों में यह निमोनिया और ब्रोंकियोलाइटिस में बदल जाता है।

निष्कर्ष:

- वर्ष 2019 में छह वर्ष से कम आयु के 45000 से अधिक शिशु मृत्यु की सूचना मिली थी।
- दुनिया भर में, आरएसवी से संक्रमित पांच बच्चों में से एक की मृत्यु हो जाती है।
- छह महीने और उससे कम उम्र के बच्चे इस वायरस की चपेट में सबसे ज्यादा आते हैं।
- शोध के अनुसार, भारत में प्रति 1,000 बच्चों पर वार्षिक घटना दर 53 (5.3%) है, जिसमें पांच वर्ष से कम उम्र के बच्चों में आरएसवी के लगभग 61, 86, 500 मामले कम श्वसन संक्रमण से संबंधित हैं।
- आरएसवी निम्न और मध्यम आय वाले देशों में पांच साल से कम उम्र के 97 प्रतिशत बच्चों की जान लेता है।

रेस्पिरेटरी सिंकाइटियल वायरस का उपचार:

- आरएसवी संक्रमण का कोई विश्वसनीय इलाज नहीं है।
- वैज्ञानिक, सरकारें और संबंधित प्राधिकरण इस क्षेत्र में शिशुओं और बच्चों के जीवन को बचाने के लिए उपयुक्त दवाओं और टीकाकरण को खोजने के लिए अनुसंधान और विकास को बढ़ावा दे रहे हैं।

Yojna IAS

जलवायु परिवर्तन पर ब्रिक्स बैठक

- हाल ही में, केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री ने ब्रिक्स की आभासी उच्च-स्तरीय बैठक में भाग लिया, जहां उन्होंने संयुक्त रूप से जलवायु परिवर्तन को संबोधित किया, निम्न कार्बन और अनुकूलन संक्रमण में तेजी लाने के तरीकों की खोज की और टिकाऊ के लिए मंच की प्रासंगिकता को रेखांकित किया।
- बैठक की अध्यक्षता चीन जनवादी गणराज्य ने की और इसमें ब्रिक्स देशों- ब्राजील, रूस, भारत और दक्षिण अफ्रीका के पर्यावरण मंत्रियों ने भाग लिया।

बैठक की मुख्य बातें:

- भारत ने अपने संबोधन में मजबूत जलवायु कार्रवाई के लिए भारत की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया, जिसमें सावधानीपूर्वक खपत और कचरे में कमी के आधार पर एक स्थायी जीवन शैली को बढ़ावा देना शामिल है।
- भारत वर्तमान में अक्षय ऊर्जा, स्थायी आवास, अतिरिक्त वन और वृक्षों के आवरण के माध्यम से कार्बन सिंक निर्माण, स्थायी परिवहन में संक्रमण, ई-गतिशीलता, जलवायु प्रतिबद्धताओं को पूरा करने के लिए निजी क्षेत्र को प्रोत्साहित करने आदि के क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण कदम उठा रहा है।
- भारत लगातार आर्थिक विकास को ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन से अलग कर रहा है।
- विकासशील देशों द्वारा जलवायु कार्रवाई का महत्वाकांक्षी कार्यान्वयन जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क कन्वेंशन (यूएनएफसीसीसी) और पेरिस समझौते द्वारा अनिवार्य रूप से जलवायु वित्त, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और अन्य कार्यान्वयन समर्थन के महत्वाकांक्षी और पर्याप्त वितरण पर निर्भर है।
- ब्रिक्स देशों ने जलवायु वित्त वितरण पर ग्लासगो निर्णय और प्रेसीडेंसी द्वारा जारी सीओपी 26 जलवायु वित्त वितरण योजना के अनुरूप आगे बढ़ने की अपनी आशा व्यक्त की है।
- ब्रिक्स के पर्यावरण मंत्री जलवायु परिवर्तन पर सहयोग को मजबूत करने और सहयोग के दायरे को व्यापक और गहरा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।
- इसके अलावा, ये देश पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन के क्षेत्रों में नीतिगत आदान-प्रदान और सहयोग जारी रखने पर भी सहमत हुए।

ब्रिक्स के बारे में:

- ब्रिक्स दुनिया की पांच प्रमुख उभरती अर्थव्यवस्थाओं – ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका के समूह के लिए एक संक्षिप्त शब्द है।
- ब्रिटिश अर्थशास्त्री जिम ओ'नील ने 2001 में ब्राजील, रूस, भारत और चीन की चार उभरती अर्थव्यवस्थाओं का वर्णन करने के लिए ब्रिक शब्द का इस्तेमाल किया।
- 2006 में ब्रिक के विदेश मंत्रियों की पहली बैठक के दौरान समूह को औपचारिक रूप दिया गया था।
- दक्षिण अफ्रीका को दिसंबर 2010 में BRIC में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया था, जिसके बाद समूह ने संक्षिप्त रूप BRICS को अपनाया।
- ब्रिक्स विश्व के पांच सबसे बड़े विकासशील देशों को एक साथ लाता है, जो वैश्विक जनसंख्या का 41%, वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद का 24% और वैश्विक व्यापार का 16% प्रतिनिधित्व करते हैं।
- BRICS शिखर सम्मेलन की अध्यक्षता सदस्य देशों के सर्वोच्च नेता द्वारा B-R-I-C-S क्रम में की जाती है।
- भारत 2021 के लिए राष्ट्रपति था।
- 2014 में फोर्टालेजा (ब्राजील) में छठे ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान, नेताओं ने न्यू डेवलपमेंट बैंक (एनडीबी – शंघाई, चीन) की स्थापना के लिए समझौते पर हस्ताक्षर किए। उन्होंने सदस्यों को अल्पकालिक तरलता सहायता प्रदान करने के लिए ब्रिक्स आकस्मिक रिजर्व व्यवस्था पर भी हस्ताक्षर किए।

Yojna IAS

RATS के तहत SCO सदस्य देशों की बैठक

- हाल ही में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के क्षेत्रीय आतंकवाद विरोधी ढांचे (आरएटीएस) के तहत एससीओ के सदस्य देशों के बीच एक बैठक हुई थी। यूक्रेन पर रूस के अतिक्रमण और वास्तविक नियंत्रण रेखा पर चीन के अतिक्रमण के बाद भारत में इस तरह की यह पहली बैठक है।
- एससीओ-आरएटीएस बैठक में सहयोग को बढ़ावा देने और विभिन्न वैश्विक और क्षेत्रीय सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के एजेंडे पर चर्चा की गई।
- भारत एससीओ (आरएटीएस एससीओ) की क्षेत्रीय आतंकवाद विरोधी संरचना परिषद का अध्यक्ष है।

बैठक में चर्चा के प्रमुख बिंदु:

- अफगानिस्तान की स्थिति और तालिबान के हाथों अफगानिस्तान के पतन से उत्पन्न सुरक्षा चिंताएं इस बैठक का मुख्य एजेंडा था।
- भारत ने एससीओ और इसके क्षेत्रीय आतंकवाद-रोधी ढांचे के साथ अपने सुरक्षा सहयोग को मजबूत करने की तीव्र इच्छा व्यक्त की है, जो सुरक्षा और रक्षा मामलों पर केंद्रित है।

क्षेत्रीय आतंकवाद विरोधी संरचना (RATS):

- RATS शंघाई सहयोग संगठन (SCO) का एक स्थायी निकाय है।
- इसका उद्देश्य आतंकवाद, उग्रवाद और अलगाववाद के खिलाफ लड़ाई में एससीओ सदस्य देशों के बीच समन्वय और संवाद को सुगम बनाना है।
- एससीओ-आरएटीएस का मुख्य कार्य समन्वय और सूचना साझा करना है।
- एक सदस्य के रूप में, भारत ने एससीओ-आरएटीएस की गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लिया है।
- भारत की स्थायी सदस्यता इसे अपने परिप्रेक्ष्य के लिए सदस्यों के बीच अधिक समझ विकसित करने में सक्षम बनाएगी।

शंघाई सहयोग संगठन:

- एससीओ की स्थापना वर्ष 2001 में हुई थी।
- विशाल यूरेशियाई क्षेत्र में सुरक्षा सुनिश्चित करने और स्थिरता बनाए रखने के लिए शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) को एक बहुपक्षीय संघ के रूप में स्थापित किया गया था।
- इसमें उभरती चुनौतियों और खतरों का सामना करने और व्यापार के साथ-साथ सांस्कृतिक और मानवीय सहयोग को बढ़ाने के लिए सेना में शामिल होने की परिकल्पना की गई है।
- 2001 में एससीओ की स्थापना से पहले, कजाकिस्तान, चीन, किर्गिस्तान, रूस और ताजिकिस्तान 'शंघाई-5' संगठन के सदस्य थे।
- वर्ष 1996 में, 'शंघाई-5' का गठन विसैन्यीकरण वार्ता की एक श्रृंखला के माध्यम से किया गया था, चीन के साथ ये वार्ता चार पूर्व सोवियत गणराज्यों द्वारा सीमाओं पर स्थिरता की स्थिति को बनाए रखने के लिए की गई थी।
- वर्ष 2001 में उज्बेकिस्तान के संगठन में प्रवेश के बाद 'शंघाई-5' का नाम एससीओ रखा गया।
- एससीओ चार्टर पर वर्ष 2002 में हस्ताक्षर किए गए थे और यह वर्ष 2003 में लागू हुआ था। रूसी और चीनी एससीओ की आधिकारिक भाषाएं हैं।

SCO के दो स्थायी निकाय हैं:

- बीजिंग में एससीओ सचिवालय।

Yojna IAS

- ताशकंद में क्षेत्रीय आतंकवाद विरोधी संरचना (आरएटीएस) की कार्यकारी समिति।

सदस्य देश:

- कजाकिस्तान, चीन, किर्गिस्तान, रूस, ताजिकिस्तान, उजबेकिस्तान, भारत और पाकिस्तान।
- हाल ही में ईरान को इस संगठन में शामिल करने की मंजूरी दी गई है।

Swadeep Kumar